Assignment No-1 कुल अङ्क - 10

बी०ए०/स्नातक (प्रथम वर्ष) संस्कृत ऐच्छिक

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. श्रीमद्भगवद्गीता के आधार पर एक श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए:

(क) 'वासांसि जीर्णानि यथा विहाय, नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि।
तथा शरीराणि विहाय जीर्णान्यन्यानि संयाति नवानि देही॥

अथवा

(ख) कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि॥

2. श्रीमद्भगवद्गीता के आधार पर 'स्थितप्रज्ञ' का लक्षण लिखिए।

3. 'हितोपदेश' के आधार पर एक गद्यांश की व्याख्या सप्रसङ्ग कीजिए।

(क) गृध्रो ब्रूते - 'ब्रूहि किमर्थमागतोऽसि', सोऽवदत् - अहमत्र गङ्गातीरे नित्यस्नायी निरामिषाशी ब्रह्मचारी चान्द्रायणव्रतमाचरंस्तिष्ठामि। यूयं धर्मज्ञानरताः विश्वासभूमय इति पक्षिणः सर्वे सर्वदा ममाग्रे प्रस्तुवन्ति। अतो भवद्भ्य विद्यावयोवृद्धेभ्यो धर्मं श्रोतुमिहागतः'।

अथवा

(ख) 'व्याघ्र उवाच - 'शृणु रे पान्थ, प्रागेव यौवनदशायामतिदुर्वृत्त आसम्। अनेकगोमानुषाणां वधान्मे पुत्राः मृताः दाराश्च। वंशहीनश्चाहम्। ततः केनचिद्धार्मिकेणाहमुपदिष्टः 'दानधर्मादिकं चरतु भवान् इति'। तदुपदेशादिदानीमहं स्नानशीलो दाता वृद्धो गलितनखदन्तः न कथं विश्वासभूमिः'?

4. नीतिशतक के आधार पर एक श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए:

(क) 'विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनं,
विद्या भोगकरी यशः सुखकरी विद्या गुरूणां गुरुः।
विद्या बन्धुजनो विदेशगमने, विद्या परं दैवतं,
विद्या राजसु पूज्यते न हि धनं, विद्याविहीनः पशुः॥'

अथवा

(ख) 'श्रोत्रं श्रुतेनैव न कुण्डलेन, दानेन पाणिर्न तु कङ्कणेन।
विभाति कायः करुणापराणां परोपकारैर्न तु चन्दनेन॥'

5. 'शीलं परं भूषणम्' सूक्ति की व्याख्या करें।

6. 'मति' शब्द का सम्पूर्ण शब्दरूप तथा 'अस्' धातुरूप सभी लकारों में लिखिए।

7. सन्धि की परिभाषा तथा सन्धि के भेदों की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

8. किन्हीं दो छन्दों के लक्षण, उदाहरण तथा गणचिन्हों सहित व्याख्या कीजिए।
(क) आर्या (ख) उपेन्द्रवज्रा (ग) मन्दाक्रान्ता।

अमित शर्मा

Assignment No-2 कुल अंक - 10

बी० ए० / स्नातक (प्रथम वर्ष) संस्कृत ऐच्छिक

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. गीता के आधार पर किसी एक श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए :

(क) 'न जायते म्रियते वा कदाचिन्नायं भूत्वा भविता वा न भूयः।
अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो, न हन्यते हन्यमाने शरीरे'॥

अथवा

(ख) 'क्रोधाद् भवति सम्मोहः सम्मोहात्स्मृतिविभ्रमः।
स्मृतिभ्रंशाद् बुद्धिनाशो बुद्धिनाशात्प्रणश्यति॥'

2. 'श्रीमद्भागवद्गीता' के द्वितीय अध्याय का विवेचन कीजिए।

3. 'हितोपदेश' के आधार पर एक श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए :

(क) 'विपदि धैर्यमथाभ्युदये क्षमा सदसि वाक्पटुता युधि विक्रमः।
यशसि चाभिरुचिर्व्यसनं श्रुतौ प्रकृतिसिद्धमिदं हि महात्मनाम्'॥

अथवा

(ख) 'धनानि जीवितं चैव परार्थे प्राज्ञ उत्सृजेत्।
सन्निमित्ते वरं त्यागो विनाशे नियते सति'॥

4. 'नीतिशतकम्' के आधार पर एक श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए :

(क) 'भवन्ति नम्रास्तरवः फलोद्गमैर्नवाम्बुभिर्दूरविलम्बिनो घनाः।
अनुद्धताः सत्पुरुषाः समृद्धिभिः स्वभाव एवैष परोपकारिणाम्'॥

अथवा

(ख) 'जाड्यं धियो हरति सिञ्चति वाचि सत्यं, मानोन्नतिं दिशति पापमपाकरोति।
चेतः प्रसादयति दिक्षु तनोति कीर्तिं, सत्सङ्गतिः कथय किं न करोति पुंसाम्'॥

5. 'विधिरहो बलवानिति मे मतिः' सूक्ति की व्याख्या कीजिए ?

6. 'लता' शब्द का सम्पूर्ण शब्दरूप तथा 'कृ' धातु सभी लकारों में लिखिए।

7. सन्धि किसे कहते हैं ? विसर्ग सन्धि को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

8. किन्हीं दो छन्दों के सोदाहरण, गणचिन्हों सहित लक्षण लिखिए :

(क) अनुष्टुप् (ख) वंशस्थ (ग) वसन्ततिलका।

Ankita Sharma

Assignment-No-1 कुल अङ्क - 10

बी० ए० (द्वितीय वर्ष) संस्कृत ऐच्छिक

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

1. 'रामायण' के आधार पर एक श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए :-

(क) इक्ष्वाकुवंशप्रभवो रामो नाम जनैः श्रुतः ।
नियतात्मा महावीर्यो द्युतिमान् धृतिमान् वशी ॥

अथवा

(ख) न चाग्निजं भयं किञ्चिन्नाप्सु मज्जन्ति जन्तवः ।
न वातजं भयं किञ्चिनापि ज्वरकृतं तथा ॥

2. वाल्मीकि रामायण के 'बालकाण्ड' का सारांश लिखिए ।

3. श्रीमद्भगवद्गीता के आधार पर एक श्लोक की व्याख्या कीजिए :-

(क) नैनं छिदन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः ।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः ॥

अथवा

इन्द्रियाणां हि चरतां यन्मनोऽनु विधीयते ।
तदस्य हरति प्रज्ञां वायुर्नावमिवाम्भसि ॥

4. गीता के द्वितीय अध्याय में वर्णित 'कर्मयोग' के महत्व पर प्रकाश डालिए ।

5. रघुवंश के आधार पर निम्न में से एक श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए

(क) तस्याः खुरन्यासपवित्रपांसुमपांसुलानां धुरि कीर्तनीया ।
मार्गं मनुष्येश्वरधर्मपत्नी श्रुतेरिवार्थं स्मृतिरन्वगच्छत् ॥

अथवा

क्षतात्किल त्रायत इत्युदग्रः क्षत्रस्य शब्दो भुवनेषु रूढः ।
राज्येन किं तद्विपरीतवृत्तेः प्राणैरुपक्रोशमलीमसैर्वा ॥

6. रघुवंश के द्वितीय सर्ग का सार लिखिए ।

7. समास की परिभाषा देते हुए बहुव्रीहि समास की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए ।

8. निम्न संज्ञासूत्रों में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए ।

(क) आदिरन्त्येन सहिता (ख) तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णम् (ग) सुप्तिङन्तं पदम्

Ankit Joshi

Assignment No - 2 अंक - 10

बी० ए० (द्वितीय वर्ष) संस्कृत ऐच्छिक

अधोलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. 'पठ्' तथा 'लिख्' धातु के णिजन्त रूप लिखिए।

2. किन्हीं दो सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए :
(क) अनुदित, सवर्णस्य चाऽप्रत्ययः (ख) तस्य लोपः (ग) मुखनासिकावचनोऽनुनासिकः

3. प्रत्याहार सूत्र किसे कहते हैं ? पाणिनि के चौदह प्रत्याहार सूत्रों को स्पष्ट करें।

4. प्रत्यय किसे कहते हैं ? कृदन्त तथा तद्धित प्रत्ययों में अन्तर बताते हुए उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

5. अव्ययीभाव समास तथा तत्पुरुष समास की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

6. रघुवंश के आधार पर दिलीप का चरित्र-चित्रण कीजिए।

7. श्रीमद्भगवद्गीता के आधार पर 'स्थितप्रज्ञ' का लक्षण लिखिए।

8. रामायण के आधार पर एक श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए :
(क) धर्मज्ञः सत्यसंधश्च प्रजानां च हिते रतः।
यशस्वी ज्ञानसम्पन्नः शुचिर्वश्यः समाधिमान्॥

अथवा

(ख) सर्वशास्त्रार्थतत्त्वज्ञः स्मृतिमान् प्रतिभानवान्।
सर्वलोकप्रियः साधुरदीनात्मा विचक्षणः॥

Ankita Joshi

Assignment No-1 कुल अंक -10

बी० ए० (तृतीय वर्ष) संस्कृत ऐच्छिक

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के आधार पर श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए:

'सरसीजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं, मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति।
इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी, किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्॥"

2. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' नाटक के चतुर्थ अंङ्क का सार लिखिए।

3. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो विषयों पर संक्षेप में टिप्पणी लिखिए:
(क) ब्राह्मण (ख) उपनिषद् (ग) वेदाङ्ग साहित्य।

4. किन्हीं दो लेखकों तथा उनकी कृतियों का सामान्य परिचय दीजिए:
(क) भास (ख) कालिदास (ग) दण्डी (घ) रामायण

5. किन्हीं दो सूत्रों की वृत्ति, उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए:
(क) कर्तुरीप्सिततमं कर्म (ख) कर्तृकरणयोस्तृतीया
(ग) सिद् गौरादिभ्यश्च (घ) अजाद्यतष्टाप्।

6. किन्हीं दो अलङ्कारों का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए:
(क) उपमा (ख) रूपक (ग) विभावना (घ) अर्थान्तरन्यास।

7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए:
(क) संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्
(ख) सत्सङ्गतिः
(ग) मम प्रियः कविः

8. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के आधार पर शकुन्तला का चरित्र-चित्रण कीजिए।

Amit Sharma.

Assignment No-2 कुल अङ्क -10

बी० ए० (तृतीय वर्ष) संस्कृत ऐच्छिक

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के आधार पर श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए :

शुश्रूषस्व गुरून्कुरु प्रिय सखिवृत्तिं सपत्नीजने
भर्तुर्विप्रकृतापि रोषणतया मा स्म प्रतीपं गमः।
भूयिष्ठं भव दाक्षिणा परिजने भाग्येष्वनुत्सेकिनी
यान्त्येवं गृहिणीपदं युवतयः वामाः कुलस्याधयः ॥

2. 'अहो कामः स्वतां पश्यति' इस सूक्ति की प्रसङ्ग सहित व्याख्या कीजिए।

3. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' नाटक के आधार पर दुष्यन्त का चरित्र-चित्रण कीजिए

4. किन्हीं दो विषयों पर संक्षेप में टिप्पणी लिखिए :
(क) अथर्ववेद संहिता (ख) आरण्यक (ग) ऋग्वेद संहिता

5. किन्हीं दो लेखकों तथा उनकी कृतियों का सामान्य-परिचय दीजिए :
(क) बाणभट्ट (ख) माघ (ग) भारवि (घ) महाभारत।

6. किन्हीं दो सूत्रों की उदाहरण, वृत्ति सहित व्याख्या कीजिए :
(क) स्वतन्त्रः कर्ता (ख) सप्तम्यधिकरणे च
(ग) वयसि प्रथमे (घ) पङ्गोश्च,

7. किन्हीं दो अलङ्कारों का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए :
(क) अनुप्रास (ख) उत्प्रेक्षा (ग) यमक (घ) विशेषोक्ति।

8. किसी एक विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए :
(क) परोपकारः
(ख) विद्यायाः महत्त्वम्
(ग) मम प्रिय पुस्तकम्।

अजित शर्मा